जलवायु परिवर्तन पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जबलपुर, आज दिनांक 14 मई 2019 से 15 मई 2019 तक मध्यप्रदेश क्लीन डेवल्पमेंट मैकेनिज्म अभिकरण के तत्वाधान में दो दिवसीय जलवायु परिवर्तन पर कार्यशाला का आयोजन पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर में डॉ. प्रयागदत्त जुयाल, कुलपति, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के मुख्य आतिथ्य में तथा डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर तथा डॉ. डी.व्ही. राग्नेकर, संरक्षक, श्री सर्वेश बाजपेयी, विशेषज्ञ, सलाहकार (CDMA) एवं श्री रवि शाह, प्रोजेक्ट एसोसिएट के विशिष्ट आतिथ्य में कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इस दो दिवसीय कार्यशाला में 43 प्रतिभागियों ने सहभागिता निभाई है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. प्रयागदत्त जुयाल ने अपने उदबोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन वर्तमान में हमारे देश में प्राणी जगत एवं वनस्पति जगत हेतु कड़ी चुनौती के रूप में मुँह वाये खड़ी है। जिसके समाधान हेतु इस कार्यशाला का आयोजन हो रहा है। आशा है इस कार्यशाला के परिणाम स्वरूप निःसंदेह सार्थक निदान सुझाये जावेंगे, जिससे जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण पाया जा सकेगा। साथ ही आपने इस चुनौतीपूर्ण कार्य में पशुचिकित्सकों की पशुधन के स्वास्थ्य एवं उत्पादन सुरक्षा में भूमिका हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिये। ऐसा पशुओं की बढ़ती आबादी द्वारा उत्सर्जित ग्रीन हाऊस गैसों से ग्लोबल वार्मिंग में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है। साथ ही वैज्ञानिकों का आव्हान किया कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कैसे कम किया जाय तथा पशु उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि की जावे। विश्व स्तर पर सूक्ष्मजीवीयों द्वारा दुग्ध तथा माँस उत्पादन पर शोध कार्य भी किया जा रहा है। इस कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श एवं मंथन किया जावेगा, जो निःसंदेह जलवायु परिवर्तन के नियंत्रण में सहायक सिद्ध होंगे।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों ने भी जलवायु परिवर्तन के विभिन्न चुनौतीपूर्ण विषयों पर अपने–अपने विचारों से सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संचालकगण, प्राध्यापकों एवं महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवेन्द्र गुप्ता व आभार प्रर्दशन डॉ. अमिता तिवारी ने किया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर